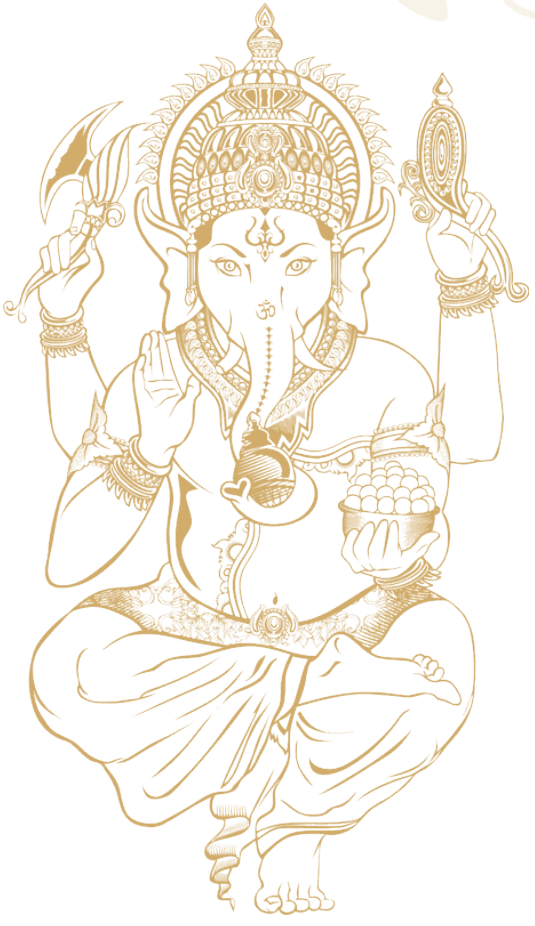

Shivam yadav 2

24 Sep 1998

07:45 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121070304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/09/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:45:00 घंटे**
इष्ट	34:02:32 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:26:16 घंटे
वेलान्तर	00:07:50 घंटे
साम्पातिक काल	19:39:07 घंटे
सूर्योदय	06:07:59 घंटे
सूर्यास्त	18:13:18 घंटे
दिनमान	12:05:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:29:41 कन्या
लग्न के अंश	10:20:44 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	10:20:44	467:27:20	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	07:29:41	00:58:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	सम राशि
चंद्र			तुला	19:55:16	11:50:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	28:11:31	00:37:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध		अ	कन्या	06:28:12	01:49:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु	व		कुंभ	28:05:59	00:07:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			सिंह	28:13:25	01:14:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	08:28:41	00:03:43	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:15:18	00:05:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:15:18	00:05:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:12:48	00:01:09	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:37:35	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:53:03	00:01:16	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	29:06:46	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:12

लग्न-चलित

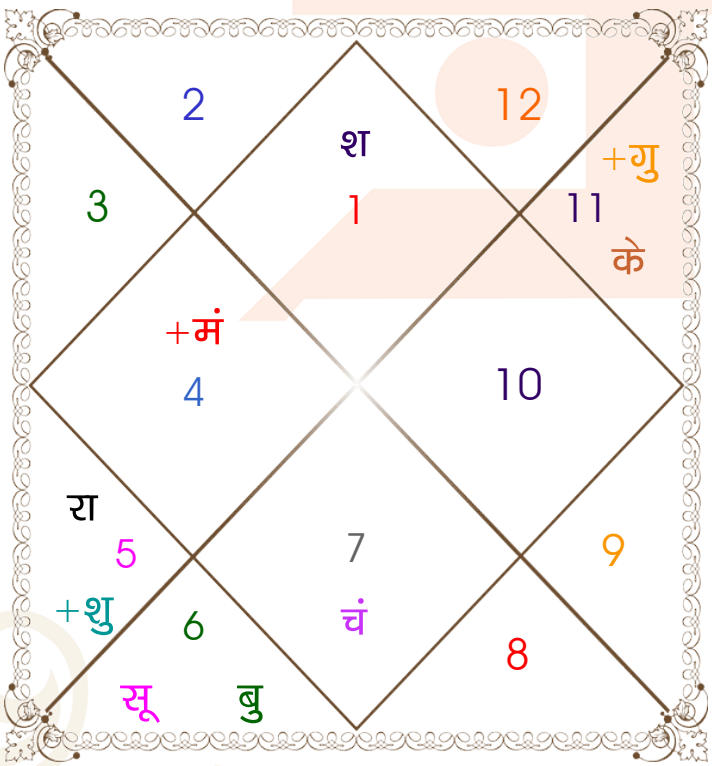

चन्द्र कुंडली

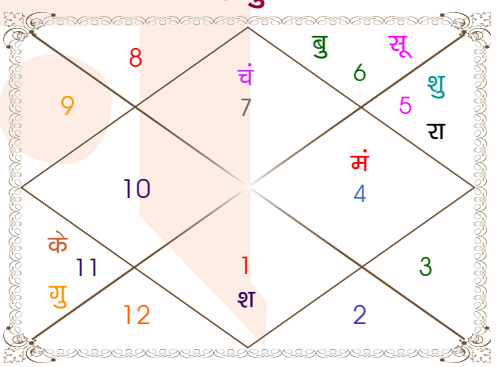

नवमांश कुंडली

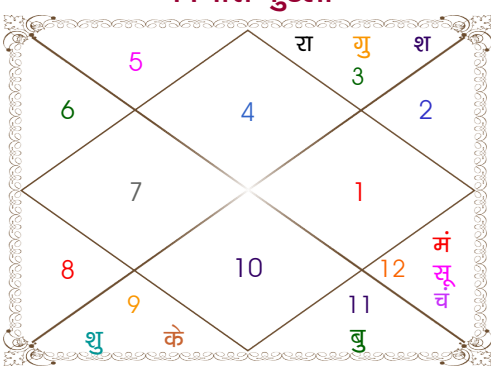

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 1 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/09/1998		02/11/1998		02/11/2014		02/11/2033		02/11/2050	
02/11/1998		02/11/2014		02/11/2033		02/11/2050		02/11/2057	
	00/00/0000	गुरु	20/12/2000	शनि	05/11/2017	बुध	31/03/2036	केतु	31/03/2051
	00/00/0000	शनि	04/07/2003	बुध	15/07/2020	केतु	28/03/2037	शुक्र	30/05/2052
	00/00/0000	बुध	09/10/2005	केतु	24/08/2021	शुक्र	27/01/2040	सूर्य	05/10/2052
	00/00/0000	केतु	15/09/2006	शुक्र	24/10/2024	सूर्य	02/12/2040	चंद्र	06/05/2053
	00/00/0000	शुक्र	16/05/2009	सूर्य	06/10/2025	चंद्र	04/05/2042	मंगल	03/10/2053
	00/00/0000	सूर्य	04/03/2010	चंद्र	07/05/2027	मंगल	01/05/2043	राहु	21/10/2054
	00/00/0000	चंद्र	04/07/2011	मंगल	15/06/2028	राहु	17/11/2045	गुरु	27/09/2055
	24/09/1998	मंगल	09/06/2012	राहु	22/04/2031	गुरु	23/02/2048	शनि	05/11/2056
मंगल	02/11/1998	राहु	02/11/2014	गुरु	02/11/2033	शनि	02/11/2050	बुध	02/11/2057

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/11/2057		02/11/2077		02/11/2083		02/11/2093		03/11/2100	
02/11/2077		02/11/2083		02/11/2093		03/11/2100		25/09/2118	
शुक्र	03/03/2061	सूर्य	20/02/2078	चंद्र	02/09/2084	मंगल	31/03/2094	राहु	17/07/2103
सूर्य	04/03/2062	चंद्र	21/08/2078	मंगल	03/04/2085	राहु	19/04/2095	गुरु	10/12/2105
चंद्र	02/11/2063	मंगल	27/12/2078	राहु	03/10/2086	गुरु	25/03/2096	शनि	15/10/2108
मंगल	02/01/2065	राहु	21/11/2079	गुरु	02/02/2088	शनि	03/05/2097	बुध	05/05/2111
राहु	02/01/2068	गुरु	08/09/2080	शनि	02/09/2089	बुध	01/05/2098	केतु	22/05/2112
गुरु	02/09/2070	शनि	21/08/2081	बुध	02/02/2091	केतु	27/09/2098	शुक्र	23/05/2115
शनि	02/11/2073	बुध	27/06/2082	केतु	03/09/2091	शुक्र	27/11/2099	सूर्य	16/04/2116
बुध	02/09/2076	केतु	02/11/2082	शुक्र	03/05/2093	सूर्य	04/04/2100	चंद्र	16/10/2117
केतु	02/11/2077	शुक्र	02/11/2083	सूर्य	02/11/2093	चंद्र	03/11/2100	मंगल	25/09/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।